MAHD-06

June - Examination 2016

M. A. (Final) Hindi Examination

कथा साहित्य

Paper - MAHD-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्डों में 'अ', खण्ड 'ब' और खण्ड 'स' में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य))

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः**

(i) ''गोदान'' उपन्यास का कौनसा पात्र भारतीय किसान का प्रतिनिधि है?

(ii) कृष्णा सोबती के किन्हीं दो उपन्यासों का नाम लिखिए।

(iii) ''शेखर : एक जीवनी'' उपन्यास किस शैली में रचा गया है?

(iv) ''समय सरगम'' उपन्यास में लेखक ने जीवन के किस रूप को उकेरने का प्रयास किया है?

(v) यशपाल की ''महाराजा का इलाज'' किस वर्ग पर व्यंग्य है?

(vi) ज्ञानरंजन की ''पिता'' कहानी की मूल संवेदना क्या है?

(vii) ''मेरा दुश्मन'' कहानी में दुश्मन कौन है?

(viii) ''शतरंज के खिलाड़ी'' कहानी किस मानसिकता की ओर संकेत करती है?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2) हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद का क्या योगदान है?

3) ''शेखरः एक जीवनी'' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

4) ''समय सरगम'' उपन्यास में चित्रित जीवन को अपने शब्दों में लिखिए।

5) ''सिक्का बदल गया'' कहानी का संदेश क्या है?

6) ''जिन्दगी और जौंक'' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

7) ''मधुआ'' कहानी में किसका जीवन बदल जाता है?

8) **निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

दो घुँधली, जलभरी आँखे दो उदास आँखों से मिलीं। उनमें एक मासूम अनुनय थी। सुबोध ने मां के चेहरे को देखा और मुस्करा दिया। शब्द निकलते न थे। दानों एक दूसरे की गोपन व्यथा से परिचित थे। उनमें एक

मूक समझौता था। मां ने इधर बहुत दिनों से सुबोध से नौकरी के विषय में न पूछा था और सुबोध भी अपने–आप यह प्रसंग न छेड़ना चाहता था।

9) 1 – एक चिन्तापूर्ण आलोक में आज पहले शराबी ने आँख खोलकर कोठरी में बिखरी हुई दारिद्रय की विभूति को देखा और देखा उस घुटनों से ठुड्डी लगाये हुए निरीह बालक को उसने तिलमिलाकर मन ही मन प्रश्न किया – किसने ऐसे सुकुमार फूल को कष्ट देने के लिए निर्दयता की सृष्टि की। आह! री नियति तब इसको लेकर मुझे घर–बारी बनना पड़ेगा? दुर्भाग्य! जिसे मैंने कभी सोचा न था। मेरी इतनी माया–ममता– जिसपर आज तक केवल बोतल का ही अधिकार था – इसका पक्ष क्यों लेने लगी। इस छोटे से पाजी ने मेरे जीवन के लिए कौन–सा इन्द्रजाल रचने का बीड़ा उठाया है?

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10) हिन्दी कहानी के विकास में जैनेन्द्र के योगदान पर निबंध लिखिए।

11) ''शतरंज के खिलाड़ी'' कहानी की तात्विक विवेचना कीजिए।

12) हिन्दी उपन्यास के विकास में कृष्णा सोबती के योगदान पर निबंध लिखिए।

13) ''शेखरः एक जीवनी'' उपन्यास के रचना–शिल्प पर प्रकाश डालिए।